

जिसमें समाज में प्रायः अधार्मिक तथा स्वार्थपूर्ण क्रिया-कलापों एवं प्रवृत्तियों का बाहुल्य हो।

कलियुगाद्या स्त्री. (तत्.) 1. वर्तमान कलियुग के प्रारंभ होने की तिथि, 'माघ पूर्णिमा'।

कलियुगी वि. (तत्.) 1. कलियुग का, कलियुग संबंधी 2. दुर्गुणी 3. झगड़ालू 4. पापी।

कलिल वि. (तत्.) 1. मिश्रित, मिला हुआ 2. घना 3. गहन 4. भरा हुआ 5. दुर्गम 6. ढका हुआ 7. अभेद्य 8. प्रभावित 2. पुं. (तत्.) 1. समूह 2. राशि 3. ढेर उदा. मोह कलिल व्यापित मति मोरी -मानस (7/82/7 तुलसी) 4. भ्रम 5. झुंड।

कलि-वर्ज्य वि. (तत्.) 1. कलियुग में जिसे निषिद्ध या वर्जित माना गया हो 2. पुं. (तत्.) कलिकाल में धर्मशास्त्रों के अनुसार वर्जित कर्म।

कलिहारी वि. (तत्.) 1. कलह करने वाली स्त्री, कलहकारिणी (तद्.) हल्दी जैसा एक गुल्म जिसका कंद अदरक के समान होता है, 'कलियारी' इसका पौधा डंडे जैसा सीधा तथा 60 से 150 से.मी. ऊँचा होता है आयु. विशल्या टि. विशल्या की विशेषता यह है कि यदि शरीर के भीतर किसी तीर का अंश रह जाता है तो इसके लेप से वह अंश (शल्य) ऊपर आ जाता है।

कलींदा पुं. (तद्.) कलिंद, तरबूज।

कली स्त्री. (तत्.) 1. बिना खिला फूल 2. मुँह बँधा फूल 3. कलिका 4. बौड़ी 5. हुक्के का नीचे वाला भाग 6. कुर्ता आदि में लगने वाला लंबोतरा तिकोना कपड़ा जैसे- कुर्ते की कली या कलीदार कुर्ता 7. गीत आदि का कोई चरण 8. चिड़ियों का नया निकला हुआ पर 9. तीन भगण लघु और गुरु (भभभ लग) के योग से बना ग्यारह वर्णों वाला समवर्णिक छंद मुहा. कली खिलना-चित्त प्रसन्न होना; कली फूटना- चिड़िया के पंरों का प्रथम बार निकलना, पौधे में छोटी शाख या पत्ते का कोमल भाग फूटना (अर.) पत्थर या सीप आदि का जलाया हुआ टुकड़ा जिससे चूना बनाया जाता है जैसे- "कली का चूना"।

कलीरा पुं. (देश.) विवाह, उत्सव आदि के अवसर पर उपहार में दी जाने वाली कौड़ियों और छुहारों (मेवा आदि) की एक मांगलिक माला।

कलील पुं. (अर.) थोड़ा, कम।

कलीसा पुं. (यूनानी) ईसाइयों या यहूदियों का उपासनाघर, गिरजाघर।

कलीसाई वि. (यूनानी.) 1. ईसाई संप्रदाय का 2. ईसाई संप्रदाय से संबंधित पुं. ईसाई।

कलीसिया पुं. (यूनानी-इकलीसिया) स्त्री. 1. यहूदियों या ईसाइयों का धार्मिक संप्रदाय 2. एक ईसाई संप्रदाय।

कलु पुं. (देश.) कल, चैन, सुख उदा. औरनि को कलु गो -तुलसी (कविता. 4/6)।

कलुआबीर पुं. (देश.) 1. झाड़फूँक करने वालों द्वारा सिद्ध एक प्रेतात्मा।

कलुख पुं. (तद्.) दे. कलुष।

कलुखाई स्त्री. (तद्.) कलुष।

कलुखी वि. (देश.) दे. कलुषी।

कलुष पुं. (तत्.) 1. मैल, गंदगी, मलिनता 2. पाप उदा. सरजू सरि कलि कलुष नसावनि -मानस. (1/16/1) 3. कलंक 4. अपवित्रता 5. दोष 6. क्रोध।

कलुषचेता पुं. (तत्.) 1. बुरे कर्मों या प्रवृत्तियों वाला व्यक्ति 2. पापात्मा, मन में पाप रखने वाला आदमी।

कलुषाई स्त्री. (तद्.) 1. कलुष 2. चित्त का विकार 3. मलिनता (मन की) 4. बुद्धि की मलिनता।

कलुषित वि. (तत्.) 1. कलुष या पाप से युक्त 2. पापी 3. मैला, मलिन 4. दूषित 5. काला।

कलुषी वि. (तत्.) 1. दोषी 2. गंदी 3. पापिनी 4. कलुषिता पुं. 1. मलिन 2. दोषी 3. कलुषित 4. पापी 5. गंदा।

कलुसी स्त्री. (तद्.) दे. कलुषी।

कलूटा वि. (देश.) काला स्त्री. वि. कलूटी जैसे- 1. कलूटा आदमी 2. कलूटी नायिका।